2(16/4/2020) 'दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण' (पल्लवन) (16

प्रदूषण न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में चिंता पैदा करने वाले प्रमुख मुद्दों में से एक है। भारत की आजादी के बाद से तकनीकी उन्नति और तेजी से विकास से सबसे ज्यादा पर्यावरण को नुकसान पहुँचाया है। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को, दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से एक माना जा रहा है। वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली दुनिया भर में सबसे ऊपरी स्थान पर है। इस प्रकार आज, दिल्ली में होने वाले विभिन्न प्रकार के प्रदूषण, लोगों और शहर की सलामती के सबसे बड़े खतरों के मुख्य कारणों में से एक है।

दिल्ली में विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों का वर्गीकरण किया जा सकता है। जैसे- वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण, घरेलू कूड़ा-कचरा, औद्योगिक कूड़ा कचरा, वाहन प्रदूषण, अस्पताल का कूड़ा कचरा, ठोस अपशिष्ट आदि। दिल्ली में प्रदूषण के कारण हैं:-

(1) शहर की बढ़ती जनसंख्या, आबादी का दबाव और अव्यवस्थित विकास पर्यावरण को दूषित कर रहा है।

(2) उद्योगों और कारखानों का उचित तकनीक और सही जगह विकास नहीं किया गया है।

(3) मैट्रो और रेलवे के बावजूद भी वाहनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है।

(4) यातायात की भीड़ बढ़ने के साथ हवा और ध्वनि प्रदूषण में भी बढ़ोतरी हुई है।

Teacher's Signature : ________

16/4/20
(15)

इनके अलावा मोबाईल पर कई लोग भड़काऊ संदेश व वीडियो भेजते हैं जिसके कारण लोगों की मानसिकता पर काफी प्रभाव पड़ता है और कई लोग तो भड़काऊ संदेश व वीडियो देखने के बाद छीनाझपटी अपराध तक कर बैठते हैं। किसी भी समुदाय विशेष के लोगों के खिलाफ गलत व भड़काऊ शब्दों का प्रयोग करना तो मोबाईल पर आम बात हो चुकी है। इसके साथ ही मोबाईल दुनिया भर के समाज और समाज के ज्ञान को प्राप्त करने में युवा पीढ़ियों की सहायता कर सकती है, क्योंकि वे वास्तविक समय में समाचार घटनाओं पर अपडेट किए जा सकते हैं।

मोबाईल से कटने को तो दूर बैठे लोगों में नजदीकियां बनाने का काम करता है लेकिन अपने पास बैठे लोगों से दूरियां बनाए जा रहे हैं। मोबाईल पर युवा ऐसे एक्टिव रहे तो आने वाले समय में बहुत से नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। मोबाईल में युवाओं की बढ़ती रुचि को देखते हुए सरकार को कोई ठोस कदम उठाना चाहिए। कई देश ऐसे हैं जहाँ फेसबुक और वाट्सएप्प को बैन कर रखा है या कानून बने हुए हैं जैसे चीन।

मोबाईल के प्रयोग से ही हमारा बहुत समय बचता है। इसके माध्यम से हम घर बैठे कई सूचनाओं, वीडियो, ई-मेल, ऑडियो को आसानी से ट्रांसफर कर सकते हैं। इसके अलावा आजकल सरकारी कामों की प्रक्रिया भी ऑनलाइन कर दी जोकि बहुत फायदेमंद है।

अर्थात् मोबाईल के सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभाव आज की युवा पीढ़ी पर देखे जा सकते हैं।

14/4/20 (5) सड़कों पर चलने वाले डीजल वाहनों की संख्या में भी (3)
बढ़ोतरी हुई है, जो वायु प्रदूषण के लिए काफी हद
तक जिम्मेदार है।

(6) दिल्ली में 8000 मीट्रिक टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न हो रहा है,
जिसके कारण शहर में अधिक से अधिक कचरा जमा हो जाता है,

(7) शहर में ठोस, तरल, अपशिष्ट जल, औद्योगिक और अस्पताल
के अपशिष्ट पदार्थों को व्यवस्थित करने की कोई उचित
तकनीक या तरीका है।

प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक
व्यापक स्वरूप में सोचना हम नागरिक का कर्तव्य
है। वास्तव में हम नहीं चाहते कि हमारी भविष्य
की पीढ़ियाँ दिल्ली में एक अस्वास्थ्यकर वातावरण
में रहें। हम वास्तव में नहीं चाहते है कि हमारे
बच्चों या हमारे बुजुर्गों को प्रदूषण के कारण
निरंतर बीमारियों से जूझना पड़े। जैसा कि हम
जानते है कि दान घर से शुरू होता है, इसलिए मैं
पर्यावरण की रक्षा के लिए जो कुछ भी सबसे अच्छी
तरह से कर सकती हूँ और उसे करने के लिए
मैं प्रतिज्ञा लेती हूँ। अर्थात् हम सभी नागरिकों को
अपनी दिल्ली को दूषित होने से रोकना चाहिए।
अपनी दिल्ली को प्रदूषण मुक्त रखना चाहिए।